**जनपद चमोली में प्र0ग्रा0 सड़क योजना में थराली–कुराड़ मोटर मार्ग के कि0मी0 15 से गुमड़–लगा–गेरूड़ मोटर मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।**

1. ग्रामीण निर्माण विभाग–1 (प्र0ग्रा0स0यो0) कर्णप्रयाग के अन्तगर्त 3.00 कि0मी0 लम्बाई में थराली–कुराड़ मोटर मार्ग के कि0मी0 15 से गुमड़ लगा गेरूड़ मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण निर्माण विभाग–1 कर्णप्रयाग के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी के द्वारा सम्बंधित कनिष्ठ अभियन्ता श्री प्रदीप नौटियाल के साथ निरीक्षण किया गया।

2. प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत थराली कुराड़ मोटर मार्ग के कि0मी0 15 से गुमड़–लगा–गेरूड़ मोटर मार्ग का 3.00 कि0मी0 लम्बाई में निर्माण किये जाने का प्रस्ताव है। थराली–कुराड़ पूर्व निर्मित मार्ग है तथा मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन इस मार्ग के कि0मी0 15 से आरम्भ होता है तथा निर्धारित 3.00 कि0मी0 लम्बाई पूर्ण कर समाप्त होता है। अवगत कराया गया कि समरेखन अलग–अलग भाग में नाप भूमि एवं वनभूमि से होकर गुजरता है। समरेखन में दो हेयर पिन बैण्ड्स प्रस्तावित हैं, जो क्रमशः कास सैक्शन 1/6 व 1/10 में नियोजित हैं। कि0मी02 के आरम्भ में समरेखन एक ड्राई गधेरे को पार करता है, जिस पर काजवे के निर्माण का प्रस्ताव है। समरेखन क्षेत्र में भूमि का ढलान सामान्यतः $20^0$से $50^0$ के मध्य प्रतीत होता है किन्तु कहीं–कहीं वनभूमि में चट्टान में ढलान इससे तीव्र भी है। समरेखन क्षेत्र में अलमोड़ा ग्रुप की चट्टान है, तथा चट्टान के ऊपर ओवरबर्डन मैटेरियल की पर्त्त है। स्थल निरीक्षण के समय प्रश्नगत क्षेत्र में कोई अस्थिरता संज्ञान में नहीं आई।

3. समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति,भू–आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

   (I) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौड़ाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

   (II) मार्ग के आरम्भ में टेक आफ प्वाइन्ट कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाया जाये।

   (III) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाये जाये।

Scanned with CamScanner

(IV) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जायें।

(V) जहॉ मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, विशेष रूप से बैण्ड्स पर एवं आबादी वाले भाग में, मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(VI) जहॉ आवश्यक हो, मार्ग के ऊपर व नीचे पहाड़ी ढलान पर समुचित पौधों का रोपण किया जाये, जिससे ढलानों पर भूक्षरण की प्रकिया को नियंत्रित रखा जा सकें।

(VII) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन,स्कपर एवं अन्य क्रास ड्रेनेज वर्क्स का प्रावधान किया जायें।

(VIII) कटिंग के दौरान निकले हुये मैटेरियल को पूर्व निर्धारित **dumpyard** में डाला जाये। खड्ड साईड में फैकने से भूक्षरण की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

(IX) उपरोक्त के अतिरिक्त पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानको एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जायें।

4. थराली–कुराड़ मोटर मार्ग के कि0मी0 15 से गुमड़–लगा–गेरूड़ मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 3.00 कि0मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणीः–

भूमि हस्तांतरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है।

H. Kumar
22.6.17

(हर्ष कुमार)
वरि0 भूवैज्ञानिक (से0नि0)
लोक निर्माण विभाग,देहरादून

Scanned with CamScanner